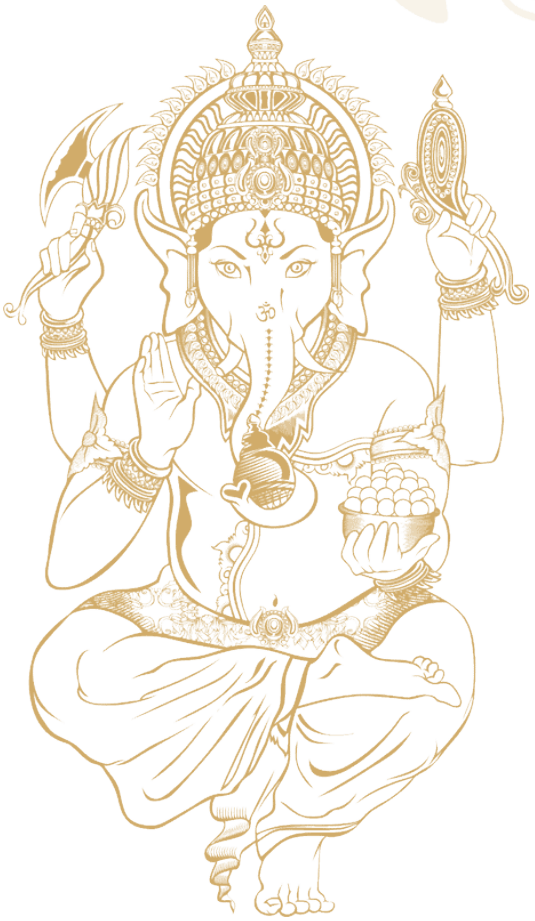

Mr.

20 Jan 1983

01:20 AM

Faridabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121940102

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19-20/01/1983**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**01:20:41 घंटे**
इष्ट	45:16:49 घटी
स्थान	**Faridabad**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:24:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:59:53 घंटे
वेलान्तर	-00:10:35 घंटे
साम्पातिक काल	08:54:27 घंटे
सूर्योदय	07:13:57 घंटे
सूर्यास्त	17:49:01 घंटे
दिनमान	10:35:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	05:33:35 मकर
लग्न के अंश	14:29:24 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	परिघ
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	थ-थानसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	14:29:24	310:06:54	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	---
सूर्य			मक	05:33:35	01:01:05	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	07:16:19	12:26:24	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
मंगल			कुंभ	08:10:24	00:47:07	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
बुध	व	अ	धनु	27:12:02	01:06:28	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	सम राशि
गुरु			वृश्चि	11:00:40	00:10:10	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र			मक	24:00:58	01:15:03	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	मित्र राशि
शनि			तुला	10:19:59	00:02:27	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	उच्च राशि
राहु	व		मिथु	10:20:50	00:03:10	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	गुरु	उच्च राशि
केतु	व		धनु	10:20:50	00:03:10	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	उच्च राशि
हर्ष			वृश्चि	14:14:53	00:02:39	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
नेप			धनु	04:17:59	00:02:00	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	---
प्लूटो			तुला	05:52:01	00:00:27	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	---
दशम भाव			कर्क	17:32:03	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:36:57

लग्न-चलित

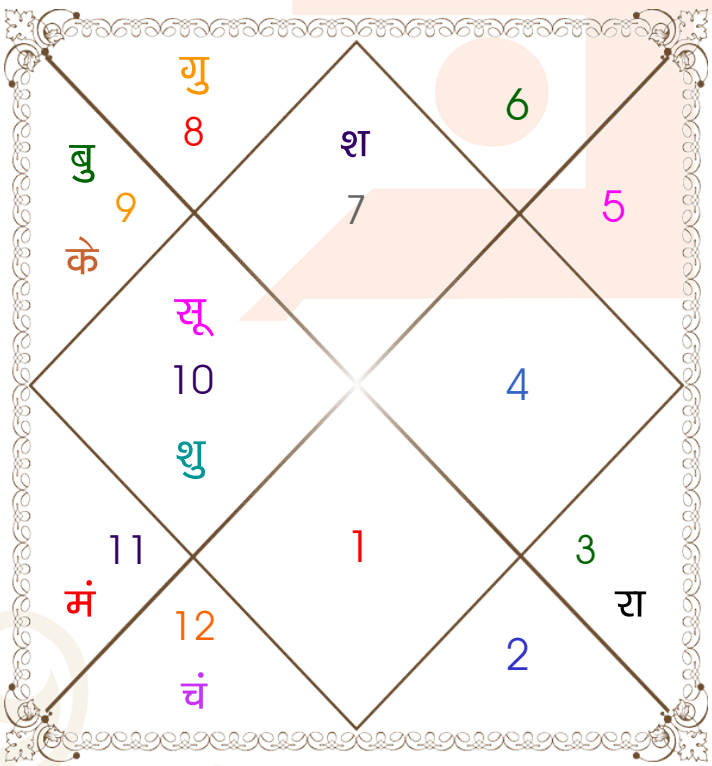

चन्द्र कुंडली

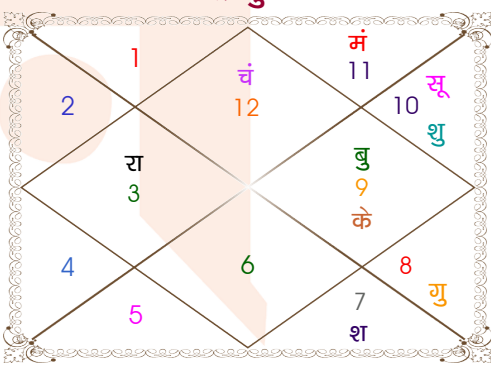

नवमांश कुंडली

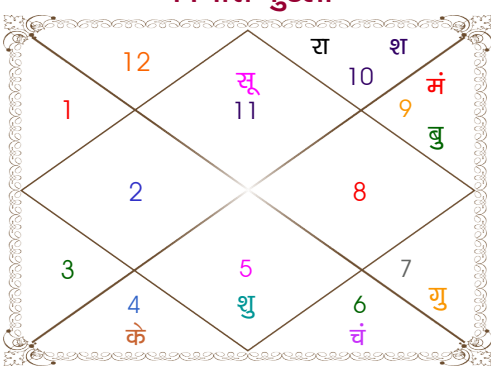

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 13 वर्ष 4 मास 19 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
20/01/1983		09/06/1996		10/06/2013		09/06/2020		09/06/2040	
09/06/1996		10/06/2013		09/06/2020		09/06/2040		10/06/2046	
	20/01/1983	बुध	06/11/1998	केतु	06/11/2013	शुक्र	10/10/2023	सूर्य	27/09/2040
बुध	21/02/1983	केतु	03/11/1999	शुक्र	06/01/2015	सूर्य	09/10/2024	चंद्र	29/03/2041
केतु	31/03/1984	शुक्र	03/09/2002	सूर्य	14/05/2015	चंद्र	10/06/2026	मंगल	03/08/2041
शुक्र	01/06/1987	सूर्य	11/07/2003	चंद्र	13/12/2015	मंगल	10/08/2027	राहु	28/06/2042
सूर्य	13/05/1988	चंद्र	09/12/2004	मंगल	10/05/2016	राहु	10/08/2030	गुरु	16/04/2043
चंद्र	12/12/1989	मंगल	06/12/2005	राहु	28/05/2017	गुरु	10/04/2033	शनि	28/03/2044
मंगल	21/01/1991	राहु	25/06/2008	गुरु	04/05/2018	शनि	09/06/2036	बुध	02/02/2045
राहु	27/11/1993	गुरु	30/09/2010	शनि	13/06/2019	बुध	10/04/2039	केतु	10/06/2045
गुरु	09/06/1996	शनि	10/06/2013	बुध	09/06/2020	केतु	09/06/2040	शुक्र	10/06/2046

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
10/06/2046		09/06/2056		10/06/2063		10/06/2081		10/06/2097	
09/06/2056		10/06/2063		10/06/2081		10/06/2097		00/00/0000	
चंद्र	10/04/2047	मंगल	05/11/2056	राहु	20/02/2066	गुरु	29/07/2083	शनि	13/06/2100
मंगल	09/11/2047	राहु	24/11/2057	गुरु	16/07/2068	शनि	08/02/2086	बुध	21/01/2103
राहु	10/05/2049	गुरु	31/10/2058	शनि	23/05/2071	बुध	16/05/2088		00/00/0000
गुरु	09/09/2050	शनि	10/12/2059	बुध	09/12/2073	केतु	22/04/2089		00/00/0000
शनि	09/04/2052	बुध	06/12/2060	केतु	28/12/2074	शुक्र	22/12/2091		00/00/0000
बुध	09/09/2053	केतु	04/05/2061	शुक्र	27/12/2077	सूर्य	09/10/2092		00/00/0000
केतु	10/04/2054	शुक्र	04/07/2062	सूर्य	21/11/2078	चंद्र	08/02/2094		00/00/0000
शुक्र	10/12/2055	सूर्य	09/11/2062	चंद्र	22/05/2080	मंगल	15/01/2095		00/00/0000
सूर्य	09/06/2056	चंद्र	10/06/2063	मंगल	10/06/2081	राहु	10/06/2097		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 13 वर्ष 4 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।